प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 27 मार्च 2026, गोरखपुर

गोरखनाथ में ब्लड डोनेशन एम्बुलेंस वैन का लोकार्पण, रक्तदान अब और होगा सुगम

गोरखपुर। सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए इनटास फाउण्डेशन द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, गोरखनाथ के ब्लड सेंटर को एक अत्याधुनिक ब्लड डोनेशन एम्बुलेंस वैन प्रदान की गई। इस एम्बुलेंस वैन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने फीता काटकर किया तथा वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर चिकित्सालय निदेशक कर्नल (डॉ) हिमांशु दीक्षित एवं ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उद्घाटन अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि इस एम्बुलेंस वैन के माध्यम से अब विभिन्न स्थानों पर जाकर रक्तदान शिविरों का आयोजन करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराना और भी सुगम हो जाएगा। मोबाइल ब्लड डोनेशन वैन से दूरदराज क्षेत्रों में भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा सकेगा, जिससे आपातकालीन स्थितियों में मरीजों की जान बचाने में मदद मिलेगी।

निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित ने कहा कि यह एम्बुलेंस वैन रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और रक्त संग्रह की प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि यह पहल समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे रक्तदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। उन्होंने आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की, ताकि जरूरतमंदों को समय पर जीवनरक्षक सहायता मिल सके साथ ही इस सहयोग के लिए इनटास फाउण्डेशन के प्रति हम अपना आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चिकित्सालय के एसीएमएस डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. आर.पी. पाण्डेय, डॉ. दिवाकर मिश्रा, लेखाकार शिव शंकर उपाध्याय, अमित मिश्रा,

चन्द्रेश्वर यादव, गार्गी गौतम, तुलिका श्रीवास्तव, निधी नायक, हर्ष गुप्ता, तन्नू तिवारी, नेहा यादव, अंशिका मौर्या, रागिनी सिंह, खुशी सिंह, शिवम शर्मा आदि लोग उपस्थित थे।इस कार्यक्रम की सफलता के सूत्रधार रहे चिकित्सालय के मीडिया एवं IT प्रभारी श्री सुनील जिन्होंने अपनी लेखनी द्वारा मीडिया एवं प्रेस में इसका प्रचार एवं प्रसार करके कार्यक्रम को और अधिक प्रचलित करने का कार्य किया है उन्हें सहृदय विशेष धन्यवाद